# सेफरॉन बाउल प्रोजेक्ट

## प्रलिम्सि के लयि:

केसर, केसर बाउल परयिोजना, प्रौद्योगकिी अनुप्रयोग और पहुँच के लयि उत्तर-पूर्व केंद्र, केसर के लयि अन्य सरकारी पहल।

## मेन्स के लयि:

सरकारी नीतयिाँ और हस्तक्षेप, केसर की खेती और इसका महत्त्व।

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में केसर बाउल परयिोजना/सेफरॉन बाउल प्रोजेक्ट (Saffron Bowl Project) के तहत नॉर्थ ईस्ट सेंटर फॉर टेक्नोलॉजी एप्लीकेशन एंड रीच (NECTAR) ने केसर की खेती के लयि अरुणाचल प्रदेश और मेघालय में कुछ स्थानों की पहचान की है।

- पूरे प्रोजेक्ट की कुल लागत अरुणाचल प्रदेश और मेघालय के लयि 17.68 लाख रूपए नरि्धारति की गई है।
- NECTAR वज्ञिान और प्रौद्योगकिी वभिाग (DST) के तहत एक स्वायत्त नकिाय है जसिने भारत के उत्तर-पूर्व क्षेत्र में समान गुणवत्ता और उच्च मात्रा के साथ केसर उगाने की व्यवहार्यता का पता लगाने हेतु एक पायलट परयिोजना का समर्थन कयिा है।

## उत्तर-पूर्व में केसर की खेती के वसि्तार का कारण:

- प्रारंभ में केसर का उत्पादन कश्मीर के बहुत कम और वशिष्टि क्षेत्रों तक ही सीमति था।
- हालाँकि राष्ट्रीय केसर मशिन के तहत केसर का उत्पादन बढ़ाने हेतु कई उपाय कयिे गए, लेकनि उत्पादन हेतु क्षेत्र बहुत सीमति था, साथ ही केसर उगाने वाले क्षेत्रों में पर्याप्त बोरवेल सुवधिा का अभाव था।
- भारत में प्रतविर्ष करीब 6 से 7 टन केसर की खेती होती है, जबकि देश में केसर की मांग 100 टन है।
- केसर की बढ़ती मांग को पूरा करने के लयि वज्ञिान एवं प्रौद्योगकिी मंत्रालय, वज्ञिान एवं प्रोद्योगकिी वभिाग के माध्यम से पूर्वोत्तर के कुछ राज्यों (प्रारंभ में सक्किमि और बाद में मेघालय एवं अरुणाचल प्रदेश) में इसकी खेती के वसि्तार पर वचिार कर रहा है।
- कश्मीर और पूर्वोत्तर के कुछ क्षेत्रों के बीच जलवायु एवं भौगोलकि परस्थितियिों में भारी समानता है।
  - अरुणाचल प्रदेश में फूलों के साथ जैवकि केसर की अच्छी खेती होती है। मेघालय में चेरापूंजी, मौसमाई और लालगिटॉप स्थलों पर सैंपल के तौर पर वृक्षारोपण कयिा गया है।
- यह कृषि में भी ववििधिता लाएगा और उत्तर-पूर्व में कसिानों को नए अवसर प्रदान करेगा।

## केसर और इसका महत्त्व:

- **केसर:**
  - केसर एक पौधा है जसिके सूखे वर्तकिाग्र (फूल के धागे जैसे हसि्से) का उपयोग केसर का मसाला बनाने के लयि कयिा जाता है।
  - माना जाता है कि पहली शताब्दी ईसा पूर्व के आस-पास मध्य एशयिाई प्रवासयिों द्वारा कश्मीर में केसर की खेती शुरू की गई थी।
  - यह बहुत कीमती और महँगा उत्पाद है।
  - प्राचीन संस्कृत साहत्यि में केसर को 'बहुकम (Bahukam)' कहा गया है।
  - केसर की खेती वशिष प्रकार की 'करेवा' (Karewa)' मट्टिी में की जाती है।
- **महत्त्व:**
  - इसका उपयोग **स्वास्थ्य, सौंदर्य प्रसाधन और औषधीय प्रयोजनों** के लयि कयिा जाता है।
  - इसका उपयोग पारंपरकि रूप से **कश्मीरी व्यंजनों** में भी कयिा जाता है जो इस क्षेत्र की समृद्ध सांस्कृतकि वरिासत का प्रतनिधित्वि करता है।

## केसर की कृषि हेतु मौसम एवं आवश्यक दशाएँ:

- **मौसम:**
    - भारत में केसर की खेती **जून और जुलाई** के महीनों के दौरान तथा कुछ स्थानों पर **अगस्त एवं सितंबर** में की जाती है।
    - इसमें **अक्तूबर माह** में फूल आना शुरू हो जाता है।
- **दशाएँ:**
    - ऊँचाई: समुद्र तल से 2000 मीटर की ऊँचाई केसर की खेती के लिये अनुकूल होती है।
    - **मृदा:** इसे अलग-अलग प्रकार की मृदा में उगाया जा सकता है लेकिन **6 और 8 pH मान वाली Calcareous** (वह मिट्टी जिसमें प्रचुर मात्रा में कैल्शियम कार्बोनेट होता है) मिट्टी में केसर का अच्छा उत्पादन होता है।
    - **जलवायु:** केसर की खेती के लिये एक उपयुक्त गर्मी और सर्दियों वाली जलवायु की आवश्यकता होती है, जिसमें **गर्मियों में** तापमान **35 या 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक न हो तथा सर्दियों में लगभग -15 या -20 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता हो।**
    - **वर्षा:** इसके लिये पर्याप्त वर्षा की आवश्यकता होती है यानी **प्रतिवर्ष 1000-1500 मिमी.** है।

## भारत में केसर उत्पादन क्षेत्र:

- केसर का उत्पादन लंबे समय तक जम्मू और कश्मीर केंद्रशासित प्रदेश में एक सीमित भौगोलिक क्षेत्र तक सीमित रहा है।
- पंपोर क्षेत्र जिसे आमतौर पर कश्मीर में '**केसर के कटोरे**' के रूप में जाना जाता है, केसर उत्पादन में मुख्य योगदानकर्त्ता है।
    - कश्मीर का पंपोर केसर, भारत में विश्व स्तर पर **महत्त्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणालियों (Globally Important Agricultural Heritage Systems)** के मान्यता प्राप्त स्थलों में से एक है।
- केसर का उत्पादन करने वाले अन्य ज़िले बडगाम, श्रीनगर और किश्तवाड़ हैं।
- हाल ही में कश्मीरी केसर को **भौगोलिक संकेतक (जीआई) टैग** का दर्जा मिला है।

## अन्य पहल:

- केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2010 में नलकूपों और फव्वारा सिंचाई सुविधाओं के निर्माण में सहायता प्रदान करने के लिये **राष्ट्रीय केसर मिशन** को मंज़ूरी दी गई थी, जो केसर उत्पादन के क्षेत्र में बेहतर फसल प्राप्त करने में मदद करेगा।
- हाल ही में **हिमालय जैवसंपदा प्रौद्योगिकी संस्थान** (CSIR-Institute of Himalayan Bioresource Technology) और **हिमाचल प्रदेश सरकार** ने संयुक्त रूप से दो मसालों **(केसर और हींग)** का उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया है।
    - इस योजना के तहत IHBT, निर्यातक देशों से केसर की नई किस्मों को लाएगा तथा भारतीय परिस्थितियों के अनुसार इसको मानकीकृत (Standardized) करेगा।

## स्रोत: पी.आई.बी.

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/saffron-bowl-project